

प्रश्न –पत्र का प्रारूप

कक्षा – वरिष्ठ उपाध्याय

विषय– व्याकरणशास्त्रम्

अवधि– 3:15 घंटे

पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

| क्र.सं. | उद्देश्य              | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|-----------------------|--------|---------|
| 1.      | ज्ञान                 | 14     | 17.50   |
| 2.      | अवबोध/अर्थग्रहण       | 37     | 46.25   |
| 3.      | ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति | 25     | 31.25   |
| 4.      | कौशल/मौलिकता          | 04     | 05.00   |
|         | योग                   | 80     | 100     |

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

| क्र.सं. | प्रश्नों के प्रकार        | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक | प्रतिशत | सम्भावित समय |
|---------|---------------------------|--------------------|------------------|---------|---------|--------------|
| 1.      | वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पात्मक |                    |                  |         |         |              |
| 2.      | अतिलघूत्तरात्मक           | 10                 | 01               | 10      | 12.50   | 15 मिनट      |
| 3.      | लघूत्तरात्मक ।            | 08                 | 02               | 16      | 20.00   | 30 मिनट      |
| 4.      | लघूत्तरात्मक ।।           | 09                 | 04               | 36      | 45.00   | 70 मिनट      |
| 5.      | निबंधात्मक                | 03                 | 06               | 18      | 22.50   | 55 मिनट      |
|         | योग                       | 30                 |                  | 80      | 100     | 170 मिनट     |

विकल्प योजना : आन्तरिक

पुनः अवलोकन – 10 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार –

प्रश्न पत्र पठन –15 मिनट

| क्र.सं. | अध्याय             | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|--------------------|--------|---------|
| 1.      | हलन्तपुल्लिङ्गम्   | 20     | 25      |
| 2.      | हलन्तस्त्रीलिङ्गम् | 10     | 12.50   |
| 3.      | हलन्तनपुंसकलिङ्गम् | 10     | 12.50   |
| 4.      | अव्ययप्रकरणम्      | 05     | 6.25    |
| 5.      | स्त्रीप्रत्ययः     | 10     | 12.50   |
| 6.      | कारकम्             | 15     | 18.75   |
| 7.      | लिङ्गानुशासनम्     | 10     | 12.50   |
|         | योग                | 80     | 100     |

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

पूर्णिक – 80

विषय:- व्याकरणशास्त्रम् कक्षा- वरिष्ठ-उपाध्याय

| क्र.सं. | उद्देश्य इकाई/उप इकाई | ज्ञान   |        |      | अवबोध   |        |        | ज्ञानोपयोगी/अभिव्यक्ति |       |        | कौशल/मौलिकता |       |      | योग    |
|---------|-----------------------|---------|--------|------|---------|--------|--------|------------------------|-------|--------|--------------|-------|------|--------|
|         |                       | अति लघु | लघु    | निबं | अति लघु | लघु    | निबं   | अति लघु                | लघु   | निबं   | अति लघु      | लघु   | निबं |        |
|         |                       | SA1     | SA2    |      | SA1     | SA2    |        | SA1                    | SA2   |        | SA1          | SA2   |      |        |
| 1.      | हलन्त पुल्लिङ्गम्     | 2(2)    | 2(1)   |      |         | *8(2)  | *4(1)+ | 2(1)                   | 2(1)  | 2(-)+  |              |       |      | 20(7)  |
| 2.      | हलन्त स्त्रीलिङ्गम्   | 1(1)    | 2(1)   |      |         | *4(1)  |        | 1(1)                   | 2(1)  |        |              |       |      | 10(5)  |
| 3.      | हलन्त नपुंसकलिङ्गम्   |         | 2(1)   |      | 4(2)    |        |        |                        |       | 4(1)   |              |       |      | 10(4)  |
| 4.      | अव्यय प्रकरणम्        | 1(1)    |        |      |         | *2(1)+ |        |                        |       | 2(-)+  |              |       |      | 5(2)   |
| 5.      | स्त्रीप्रत्ययः        |         |        |      |         | *2(1)+ | *3(1)+ |                        |       | 2(-)   |              |       |      | 10(2)  |
| 6.      | कारकम्                | 2(2)    |        |      | 1(1)    | 2(1)   | *3(1)+ |                        |       | 2(-)   |              |       |      | 15(6)  |
| 7.      | लिङ्गानुशासनम्        | 2(2)    |        |      |         | *2(1)+ |        |                        |       | *2(1)+ |              | 4(-)+ |      | 10(4)  |
| 8.      | योग                   | 8(8)    | 6(3)   |      | 1(1)    | 6(3)   | 10(3)  | 1(1)                   | 4(2)  | *12(2) |              | 4(-)  |      | 80(30) |
| 9.      | कुल योग               |         | 14(11) |      |         | 37(14) |        |                        | 25(5) |        |              | 4(-)  |      | 80(30) |

विकल्पों की योजना :-

प्रश्न संख्या :- 19,21,22,23,24,25,26,27,28,29 और 30

\* विकल्प प्रश्न

+ बहुउद्देशीय प्रश्न

नोट :- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

हस्ताक्षर

आदर्शप्रश्न-पत्रम्  
वरिष्ठ-उपाध्यायपरीक्षा-2018  
व्याकरणशास्त्रम्  
समय-3¼ घण्टे  
पूर्णांक-80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः

1. परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रे निर्धारितस्थाने नामांकः अनिवार्यतो लेखनीयः।
2. सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
3. सवेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।
4. एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्र एव लेखनीयानि।
5. सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत-माध्यमेन एव लेखनीयानि।

1. 'लिट्त्सु' इत्यत्र कः आगमः ? 1
2. 'चत्वारः' इत्यत्र आमागमः केन सूत्रेण भवति ? 1
3. 'इयम्' इत्यत्र दस्य यः केन सूत्रेण भवति ? 1
4. भादौ प्रत्यये परे अपस्तकारः केन सूत्रेण भवति ? 1
5. 'स्वरादिनिपातमव्ययम्' इति सूत्रस्यार्थो लेख्यः। 1
6. ईप्सिततमस्य कारकस्य कर्मसंज्ञा केन भवति? 1
7. आधारः कतिधा ? 1
8. करणं किम् ? 1
9. विंशतितः नवतिपर्यन्तं संख्याशब्दानां लिंगनिर्धारकं सूत्रं लिखत। 1
10. 'निष्ठा च' इत्यस्योदाहरणं लिखत। 1
11. 'दिव औत्' इत्यस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः। 2
12. उपदेश किम्? अधोक् इति स्पष्टयतः। 2
13. 'नहो धः' इत्यस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः। 2
14. इदम्-शब्दस्य स्त्रीलिंगे रूपाणि लेख्यानि। 2
15. हे ब्रह्म! इत्यत्र नलोपः केन नियमेन भवति? 2
16. 'वा नपुसंकस्य' इति सूत्रस्य सोदाहरणमर्थो लेख्यः। 2
17. अपदादिविधौ किम्? दधिसेचौ। पंक्तिरियं विवेचनीया। 2
18. प्रथमाविभक्तिः कुत्र भवति ? 2
19. कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ। 2+2=4  
धुक्षु, मघोनः, विद्वान्
20. 'इंग्यणः सम्प्रसारणम्' इति सूत्रं व्याख्यायताम्। 4
21. कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ। 2+2=4  
उष्णिक्-उष्णिग्, आभ्याम् दिवः
22. कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ। 2+2=4  
स्वनङ्वाहि, किम्, अहः
23. कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ। 2+2=4

|                                                                                                                    |                |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
| जीवसे, विसृपः, अथ                                                                                                  |                |
| 24. कयोश्चिद् द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणमर्थो लेख्यः।<br>अजाद्यतष्टाप्, षिद्गौरादिभ्यश्च, नित्यं सपत्न्यादिषु।        | 1+1=2<br>1+1=2 |
| 25. कौचिद् द्वौ प्रयोगौ साधनीयौ।<br>उच्चैः, मातुः स्मरति, साधुः कृष्णो मातरि।                                      | 2+2=4          |
| 26. केषांचित् चतुर्णां ससूत्रं लिंगनिर्धारणं कुरुत।<br>अवनिः, अग्निः, कुरुः, स्थूणम्, यज्ञः, तलभम्।                | 1+1+1+1=4      |
| 27. कयोश्चिद् द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणमर्थो लेख्यः।<br>मिन्यन्तः, क्तिन्नः, बाणकाण्डौ नपुसंके च।                    | 1+1+1+1=4      |
| 28. केचित् त्रयः प्रयोगाः साधनीयाः।<br>लिट्-लिंग, विश्वौहः, अनङ्वान्, अयम्, राजा                                   | 2+2+2=6        |
| 29. केचित् त्रयः प्रयोगाः साधनीयाः।<br>मूषिका, प्रत्यक्पुष्पा, कल्याणक्रोडा, चौरी, तटी                             | 2+2+2=6        |
| 30. केचित् त्रयः प्रयोगाः साधनीयाः।<br>गां दोग्धि पयः, वने उपवसति, अध्ययनेन वसति,<br>हरये क्रुध्यति, ग्रामादायाति। | 2+2+2=6        |

### उत्तरतालिका

कक्षा-वरिष्ठोपध्यायः

विषय – व्याकरणशास्त्रम्

|    |                                                                                                                 |  |    |     |
|----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|----|-----|
| 1  | धुडागमः                                                                                                         |  | 01 | 02  |
| 2  | “चतुरनडुहोमुदात्तः”                                                                                             |  | 01 | 05  |
| 3  | “यः सौ”।                                                                                                        |  | 01 | 69  |
| 4  | “अपो भिः”                                                                                                       |  | 01 | 71  |
| 5  | स्वरादयो निपताश्चात्ययसंज्ञाः स्युः।                                                                            |  | 01 | 99  |
| 6  | “कर्तुरीप्सिततमं कर्म”                                                                                          |  | 01 | 174 |
| 7  | “आधारस्त्रिधा”।                                                                                                 |  | 01 | 244 |
| 8  | “साधकतमं करणम्”                                                                                                 |  | 01 | 197 |
| 9  | “विंशत्यादिरानवतेः”।                                                                                            |  | 01 | 258 |
| 10 | “हसितम्/गीतम्”।                                                                                                 |  | 01 | 281 |
| 11 | दिविति प्रातिपदिस्य औत्स्यात्सौ परे। सुद्यौः।                                                                   |  | 02 | 07  |
| 12 | अद्य दीक्षितमहादेस्य प्रयोजनद्वयमस्ति यत् ‘अधोक्’ इत्यत्र धत्वप्रवृत्तिः तथा च ‘दामलिट्’ इत्यत्र धत्वनिवृत्तिः। |  | 02 | 02  |
| 13 | नहो हस्य धः स्याज्झलि पदान्ते च। उपानत्-उपानद्।                                                                 |  | 02 | 67  |
| 14 | 70 पृष्ठ संख्यानुसारम्                                                                                          |  | 02 | 70  |
| 15 | सम्बुद्धौ नपुसंकानां नलोपो वा वक्तव्यः।                                                                         |  | 02 | 78  |
| 16 | अभ्यस्तात् परो यः शता, तदन्तस्य क्लीबस्य नुम्वा स्यात् सर्वनामस्थाने परे। ददन्ति।                               |  | 02 | 91  |

|    |                                                                                                                                                                                                                                 |       |    |     |
|----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|----|-----|
| 17 | ‘उत्तरपदत्वे चापदादिविधौ’ इतिवार्तिके ‘अपदादौ’ इति यदि नोच्येत तदा “उत्तरपदत्वे प्रत्ययलक्षणप्रतिषेधः” इत्येव वार्तिकं भवेत् तेन ‘दधिसेचौ’ इत्यत्र सात्पदाद्योरिति षत्वनिषेधे कर्त्तव्ये यत् प्रत्यय लक्षणं भवति, तन्न स्यात् । |       | 02 | 75  |
| 18 | प्रातिपदिकार्थलिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा / सम्बोधने च                                                                                                                                                                           |       | 02 | 172 |
| 19 | पाठ्यपुस्तकानुसारं ।                                                                                                                                                                                                            |       | 04 |     |
| 20 | इदं सूत्रं संज्ञासूत्रम् । इक्, यणः, सम्प्रसारणम् इति पदच्छेदः । यणः इति षष्ठी, ‘इक्’ इति प्रथमा । ‘सम्प्रसारणम्’ इति संज्ञा । यणः स्थाने प्रयुज्यमानो यः इक सः सम्प्रसारण-संज्ञः स्यात् । विश्वौहः ।                           |       | 04 | 4-5 |
| 21 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2   | 04 |     |
| 22 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2   | 04 |     |
| 23 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2   | 04 |     |
| 24 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 1x4   | 04 |     |
| 25 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2   | 04 |     |
| 26 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 1x4   | 04 |     |
| 27 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 1x4   | 04 |     |
| 28 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2+2 | 06 |     |
| 29 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2+2 | 06 |     |
| 30 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रयोगाः साधनीयाः ।                                                                                                                                                                                          | 2+2+2 | 06 |     |

